मूल्य शिक्षा समाज की मांग

आबू रोड, निसं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने मूल्यशिक्षा की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए आज कर्नाटक विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। ज्ञातव्य हो कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने इससे पहले सात अन्य विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर करके, मूल्यशिक्षा द्वारा देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक विश्वविद्यालय के कुलपति एम.जी.कृष्णन ने कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा को आज अपने विश्वद्यिालय में लागू करने में मुझे बहुत ही खुशी हो रही है। हमने यह देखा है कि वैल्यूज आज समाज की मांग है लेकिन यह वैल्यूज आएगा कहां से यह किसी को भी मालूम नहीं है। हमारा यह अनुभव रहा है कि आध्यात्मिक शिक्षा ही जीवन में वैल्यूज को ला सकती है। वर्तमान शिक्षा पद्धति मानव को रोजगार परक बनाती है जबकि आध्यात्मिक शिक्षा मानव को न सिर्फ रोजगार परक बनाती है बल्कि उसे व्यवहार कुशल भी बनाती है।

संस्था की संयुक्त मु य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि इस सृष्टि पर एक समय ऐसा भी था जब मानव मूल्यों से संपन्न था। आज हमें अपने जीवन में भी उसी मूल्य को शामिल करने की आवश्यकता है। तभी हमारा जीवन सुखमय हो पाएगा। मूल्यों से संपन्न व्यक्ति ही भारत को विश्व गुरू का दर्जा पुन: दिलाएगा और भारत सोने की चिड़िया कहलाएगा। जीवन में उसी मूल्य को धारण करने के लिए यह ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा यह वैल्यूज एज्यूकेशन का कोर्स प्रारंभ किया गया है।

इस कार्यक्रम को शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के प्रवक्ता बीके करूणा, मैसूर सबजोन की प्रभारी बीके लक्ष्मी, बीके पांडयमणि, बीके रंगनाथ ने भी संबोधित किया और कहा कि यह शिक्षा समाज में एक नई चेतना का संचार करेगी और मानव को मूल्यों के प्रति आकर्षित करेगी।